CBSE Class 8 Hindi Grammar समास

दो या दो से अधिक शब्दों को संक्षिप्त करके नया शब्द बनाने की प्रक्रिया देने की विधि समास कहलाती है। यानी समास शब्द का अर्थ है- संक्षेप अर्थात छोटा करना; जैसे-रसोई के लिए घर के स्थान पर रसोईघर' कहना। कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ प्रकट करना 'समास' Samas को मुख्य उद्देश्य है।

समस्त पद – समास की प्रक्रिया के बाद जो नया शब्द बनता है उसे सामासिक पद या समस्त पद कहते हैं।
समास-विग्रह – समस्त पद को फिर से पहले जैसी स्थिति में लाने की प्रक्रिया समास-विग्रह कहलाती है। समस्त पद

समस्त पद	**समास विग्रह**
विद्यालय	विद्या के लिए आलय (घर)
विश्राम गृह	विश्राम के लिए घर

समस्त पद में दो पद होते हैं – पूर्वपद और उत्तर पद

विद्यालय	विद्या	आलय	विद्या के लिए आलय
(समस्त पद)	(पूर्वपद)	उत्तरपद	(समास-विग्रह)

समास के मुख्य चार भेद हैं

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. द्वंद्व समास
4. बहुब्रीहि समास

1. अव्ययीभाव समास – जिस समास से पहला पद प्रधान हो और समस्त पद अव्यय हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	**विग्रह**	**पहली पद**	**दूसरा पद**
आजन्म	जन्म भर	आ	जन्म

2. तत्पुरुष समास – जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो और समास करने पर विभक्ति (कारक-चिह्न) का लोप हो जाए, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
रेखांकित	रेखा से अंकित	रेखा +	अंकित

तत्पुरुष समास छह प्रकार के होते हैं

1. संप्रदान तत्पुरुष – जिसमें संप्रदान कारक की विभक्ति के लिए' का लोप हो जाए, उसे संप्रदान तत्पुरुष समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
देशभक्ति	देश के लिए भक्ति	देश +	भक्ति

2. करण तत्पुरुष – जिसमें करण कारक की विभक्ति 'से' का लोप हो; उसे करण तत्पुरुष समास कहते है; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
हस्तलिखित	हस्त से लिखित	हस्त	लिखित

3. कर्म तत्पुरुष – जिसमें कर्म कारक की विभक्ति 'को' का लोप हो, उसे कर्म तत्पुरुष समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
गगनचुंबी	गगन को चूमने वाला	गगन	चुंबी

4. अपादान तत्पुरुष – जिसमें अपादान कारक की विभक्ति 'से' का लोप हो जाय, उसे अपादान तत्पुरुष समास कहते है; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
रोगमुक्त	रोग से मुक्त	रोग +	मुक्त

5. संबंध तत्पुरुष – जिसमें संबंध कारक की विभक्ति 'का' 'की' 'के' का लोप हो जाए, उसे संबंध तत्पुरुष समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	**विग्रह**	**पहला पद**	**दूसरा पद**
राजकुमार	राजा का कुमार	राज	कुमार

6. अधिकरण तत्पुरुष – जिसमें अधिकरण कारक की विभक्ति में 'पर' का लोप हो जाए; उसे अधिकरण तत्पुरुष समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	**विग्रह**	**पहला पद**	**दूसरा पद**
गृह प्रवेश	गृह में प्रवेश	गृह	प्रवेश

तत्पुरुष समास के दो उपभेद हैं

- कर्मधारय समास
- विगु समास

(i) कर्मधारय समास – कर्मधारय समास का पहला पद 'विशेषण' और दूसरा पद 'विशेष्य' होता है अथवा एक पद 'उपमान' और दूसरा पद 'उपमेय' होता है; जैसे- 'पीतांबर' पीत है जो अंबर। वहाँ 'पीत' शब्द विशेषण है और अंबर शब्द विशेष्य।

(ii) विगु समास – जिस समास में पहला पद संख्यावाचक विशेषण हो तथा समस्तपद किसी समूह का बोध कराए उसे द्विगु समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
चौराहा	चार राहों का समाहार	चौ (चार)	राहा
नवरत्न	नौ रत्नों का समूह	नौ (नौ)	रत्न

3. द्वं द्व समास – जिस समास में दोनों पद समान हों तथा समास करने पर 'और' 'अथवा' का लोप हो जाए, उसे द्वंद्व समास कहते हैं; जैसे

समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद
दाल-भात	दाल और भात	दाल	भात
रात-दिन	रात और दिन	रात	दिन

4. बहुव्रीहि समास – जहाँ दोनों पद गौड़ होते हैं और दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं, तथा जहाँ कोई भी पद प्रधान न हो, बहुव्रीहि समास होता; जैसे
पीतांबर – पीत (पीले), अंबर (वस्त्र) है जिसके अर्थात श्रीकृष्ण

बहुव्रीहि और कर्मधारय समास में अंतर – समास के कुछ उदाहरण ऐसे हैं, जो कर्मधारय और बहुब्रीहि समास, दोनों में समान रूप से पाए जाते हैं। इन दोनों में अंतर जानने के लिए इनके विग्रह को समझना होगा। जैसे-

समस्त पद	विग्रह	समास
नीलकंठ	नीला है जो कंठ नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव	(कर्मधारय) (बहुव्रीहि).

बहुब्रीहि और विगु समास में अंतर – विगु समास का पहला पद का संख्यावाचक विशेषण होता है और दूसरा पद उसका विशेष्य। बहुब्रीहि समास में पूरा (समस्त) पद ही विशेषण का कार्य करता है। कुछ ऐसे उदाहरण भी हैं जिन्हें दोनों समासों में रखा जा सकता है। विग्रह करने पर ही स्थिति स्पष्ट होती है। जैसे-

चतुर्भुज – चार भुजाओं का समूह – द्विगु समास
चार भुजाएँ हैं जिसकी अर्थात विष्णु – बहुब्रीहि समास

CBSE Class 8 Hindi Grammar वाक्य संबंधी अशुधियाँ

वाक्यों में अशुद्धियों का प्रमुख कारण है- व्याकरण के नियमों की सही जानकारी का अभाव।
व्याकरणगत अशुधियों से बचने के लिए नीचे दिए नियमों पर ध्यान दीजिए

वचन और लिंग संबंधी अशुधियाँ

अशुद्ध	**शुद्ध**
(i) शिवा जी बहुत वीर था। (i) हवा बहुत ठंडा है।	(ii) शिवा जी बहुत वीर थे। (ii) हवा बहुत ठंडी है।

कारक संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
(i) बच्चा छत पर से गिर गया। (i) पतंगें आकाश पर उड़ रही है।	(ii) बच्चा छत से गिर गया। (ii) पतंगें आकाश में उड़ रही हैं।

सर्वनाम संबंधी अशुधियाँ अशुद्ध

अशुद्ध	शुद्ध
(i) मेरे को जल्दी जाना है। (i) वह लड़के को बुला लाओ	(ii) मुझे जल्दी जाना है। (ii) उस लड़के को बुला लाओ।

क्रिया संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
(i) नेहा ने गीत गाई । (i) सभी मिलकर स्कूल जाता है।	(ii) नेहा ने गीत गाया। (ii) सभी मिलकर स्कूल जाते हैं।

विशेषण संबंधी अशुधियाँ अशुद्ध

अशुद्ध	शुद्ध
(i) विख्यात लुटेरा पड़का गया। (i) मेरे पास अनेकों पुस्तके हैं।	(ii) कुख्यात लुटेरा पकड़ा गया। (ii) मेरे पास अनेक पुस्तकें हैं।

क्रियाविशेषण संबंधी अशुधियाँ अशुद्ध

अशुद्ध	शुद्ध
(i) अचानक बस चल पड़ी। (i) यहाँ कूड़ा नहीं फेको।	(ii) बस अचानक चल पड़ी। (ii) यहाँ कूड़ा मत फेको।

पद क्रम संबंधी अशुधियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
(i) तुम कर रहे हो क्या? (i) ओजस्व को काटकर सेब दो।	(ii) तुम क्या कर रहे हो? (ii) ओजस्व को सेब काटकर दो।

अशुद्ध	**शुद्ध**
(i) तुम कर रहे हो क्या? (i) ओजस्व को काटकर सेब दो।	(ii) तुम क्या कर रहे हो? (ii) ओजस्व को सेब काटकर दो।

अन्य सामान्य अशुद्धियाँ

अशुद्ध	**शुद्ध**
(i) आप इधर बैठो। (i) मैं मंगलवार के दिन फिर मिलूंगा।	(ii) आप इधर बैठिए। (ii) मैं मंगलवार को मिलूंगा।

CBSE Class 8 Hindi Grammar मुहावरे और लोकोक्तियाँ

भाषा को सुंदर और प्रभावशाली बनाने के लिए हम मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग करते हैं। इनके माध्यम से भाषा में कम-से कम शब्दों के प्रयोग से अधिक से अधिक भावों की अभिव्यक्ति की जा सकती है।

मुहावरा ऐसा शब्द-समूह या वाक्यांश होता है जो अपने शाब्दिक अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है। विशेष अर्थ में प्रयुक्त होने वाले ये वाक्यांश ही मुहावरे कहलाते हैं। जैसे नौ-दो ग्यारह होना मुहावरे का अर्थ है- भाग जाना।

लोकोक्ति यानी लोक की उक्ति अर्थात लोगों द्वारा कही गई उक्ति। ये अपने आप में पूर्ण वाक्य होती है। इनका प्रयोग अधिकांशतः वाक्य के अंत में एक स्वतंत्र वाक्य के रूप में होता है जबकि मुहावरों का प्रयोग वाक्य के मध्य में होता है।

मुहावरों में प्रयोग करते समय मुहावरों की क्रिया, लिंग, वचन, कारक आदि के अनुसार बदल जाती है।

1. **अंग-अंग मुसकाना (बहुत प्रसन्न होना) –** विद्यालय में प्रथम स्थान पाने पर आयुष का अंग-अंग मुसकरा रहा है।
2. **अँगूठा दिखाना (साफ़ इंकार करना) –** उसने कोमल से पुस्तक माँगी, लेकिन उसने अँगूठा दिखा दिया।
3. **अंधे की लकड़ी (एकमात्र सहारा) –** श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए अंधे की लाठी था।
4. **अगर-मगर करना (बहाने बनाना) –** जब मैंने अपने मित्र से मुसीबत के समय सहायता माँगी तो वह अगर-मगर करने लगा।
5. **आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) –** सुभाष चंद्र बोस आँखों में धूल झोंककर भारत से गायब हो गए।
6. **अक्ल पर पत्थर पड़ना (कुछ समझ में न आना) –** आयुष आजकल ऐसे काम करता है, जिसे देखकर लगता है कि उसकी अक्ल पर पत्थर पड़ गया है।

7. **अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना (स्वयं अपना नुकसान करना)** – सरकारी नौकरी छोड़कर अपनी दुकान खोलने की बात करना अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।
8. **आसमान सिर पर उठाना (बहुत शोर मचाना)** – कक्षा में किसी अध्यापक के न होने के कारण छात्रों ने आसमान सिर पर उठा लिया।

9. **आँखें फेर लेना (बदल जाना)** – मुसीबत आने पर अपने भी आँखें फेर लेते हैं।
10. **अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना (अपनी प्रशंसा स्वयं करना)** – अजय तुम कोई काम तो करते हो नहीं, बस अपने मुँह मियाँ मिठू बनते रहते हो।
11. **आँखें चुराना (सामने आने से कतराना)** – परीक्षा में कम अंक लाने के कारण पुत्र पिता से आँखें चुरा रहा है।
12. **आँखें खुलना (होश आ जाना)** – जब उसे अपने पुत्र की हरकतों का पता चला, तो उसकी आँखें खुल गईं।
13. **आगा-पीछा करना (इधर-उधर होना)** – प्राचार्य के मैदान में आते ही छात्र आगा-पीछा करने लगे।
14. **आस्था हिलना (विश्वास उठना)** – आजकल सच्चाई और ईमानदारी के प्रति लोगों की आस्था हिलने लगी है।
15. **कान भरना (चुगली करना)** – ज्ञान को कान भरने की बुरी आदत है।

16. **कोई जोड़ न होना (मुकाबला न होना) –** नेहा की लिखाई का कोई जोड़ नहीं है।
17. **कातर ढंग से देखना (भय के भाव से नज़र बचाकर देखना) –** बिना कारण पिटने पर ड्राइवर मुझे कातर भाव से देखने लगा।
18. **कसर निकालना (कमी पूरी करना) –** व्यापारियों ने त्योहारों के अवसर पर वस्तुओं को अत्यधिक दामों पर बेचकर कसर निकाल लेते हैं।
19. **कमर तोड़ना (बहुत सुंदर लिखना) –** अपने इस निबंध को लिखते हुए नेहा ने कमर तोड़ दिया है।
20. **कान भरना (चुगली करना) –** रजत हमेशा आयुष के खिलाफ अध्यापक के कान भरता रहता है।
21. **कोल्हू का बैल (लगातार काम करना) –** मैं यहाँ लगातार कोल्हू के बैल की तरह लगा रहता हूँ और तुम हो कि रात दिन मौज-मस्ती करते रहते हो।

22. **कलई खुलना (भेद खुलना) –** पड़ोसी के घर में रोज महँगे-महँगे समान आ रहे थे। अचानक एक दिन पुलिस के आने से उसकी सारी कलई खुल गई।
23. **कानोकान खबर न होना (बिलकुल खबर न होना) –** बदनामी के डर से मेहता जी कब दिल्ली छोड़कर चले गए, किसी को कानों कान खबर नहीं हुई।

24. **खटाई में पड़ना (काम में अड़चन आना) –** अच्छा खासा क्रिकेट खेल का आयोजन होने वाला था लेकिन बारिश के चलते सारा खेल का कार्यक्रम खटाई में पड़ गया।
25. **खाक छानना (दर-दर भटकना) –** नौकरी की तालाश में आजकल पढ़े-लिखे युवक दर-दर खाक छान रहे हैं।
26. **गुड़गोबर होना (बात बिगड़ जाना) –** अच्छा-खासा पिकनिक पर जाने का कार्यक्रम बना था लेकिन अचानक दंगा होने के कारण दिल्ली बंद ने सारा गुड़ गोबर कर दिया।
27. **खाक में मिलाना (नष्ट-भ्रष्ट कर देना) –** अमेरिका ने ईराक को खाक में मिला दिया।
28. **घी के दिए जलाना (खुशियाँ मनाना) –** बेटे के आई. ए. एस. बनने पर माँ-बाप ने घी के दिए जलाए।
29. **घोड़े बेचकर सोना (गहरी नींद सोना) –** बोर्ड परीक्षा सिर पर है और तुम घोड़े बेचकर सो रहे हो।
30. **चिकना घड़ा (बेअसर/निर्लज्ज) –** उसे कितना भी कुछ कह लो वह तो चिकना घड़ा है।
31. **छक्के छुड़ाना (बुरी तरह हरा देना) –** भारतीय सैनिकों ने युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों के छक्के छुड़ा दिए।
32. **छठी का दूध याद आना (कठिनाई का अनुभव होना) –** बिना परिश्रम के परीक्षा में बैठने से आयुष को छठी का दूध याद आ गया।

33. **छाती पर मूंग दलना (बहुत तंग करना) –** मोहनलाल के मेहमान साल भर उसकी छाती पर मूंग दलते रहते हैं।
34. **टका-सा जवाब देना (साफ़ मना कर देना) –** मैंने जब हरि प्रसाद से मुसीबत के समय उधार पैसे मांगे तो उसने टका-सा जवाब दे दिया।
35. **दाल में काला होना (कुछ गड़बड़ होना) –** उसके घर पुलिस आई है, लगता है दाल में कुछ काला है।
36. **नौ-दो ग्यारह होना (भाग जाना) –** चोर किमती सामान उड़ाकर नौ-दो ग्यारह हो गया।
37. **दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करना (अधिकाधिक उन्नति) –** ईश्वर करे, तुम दिन दूनी, रात चौगुनी उन्नति करो।
38. **तूती बोलना (बहुत प्रभाव होना) –** रमेश बाबू के समाज-सेवी होने की तूती सारे शहर में बोल रही है।

39. **नाक में दम करना (बहुत परेशान करना) –** आजकल उग्रवादियों ने देश में नाक में दम कर रखा है।
40. **नाको चने चबाना (बहुत कठिन कार्य करना) –** सुबह से लेकर शाम तक इन बच्चों की देखभाल करना तो नाको चने चबाने के बराबर है।
41. **पहाड़ टूटना (भारी संकट आ जाना) –** पिता की आकस्मिक मृत्यु से गोपाल पर तो मानों पहाड़ ही टूट पड़ा है।

42. **पर निकलना (स्वच्छंद हो जाना)** – कॉलेज में दाखिला लेते ही नेहा के पर निकलने लगे।
43. **पगड़ी उछालना (अपमानित करना)** – बुजुर्गों की पगड़ी उछालना अच्छी बात नहीं है।
44. **पानी-पानी होना (अत्यंत लज्जित होना)** – मिलावट खोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने पर रजत पानी-पानी हो गया।
45. **फूला न समाना (बहुत प्रसन्न होना)** – जब से नेहा का नाम मेडिकल कॉलेज की प्रवेश सूची में आया है, वह फूले नहीं समा रही है।
46. **हवा से बातें करना (बहुत तेज दौड़ना)** – बुलेट ट्रेन हवा से बातें करती है।
47. **हाथ साफ़ करना (चुरा लेना)** – जेब कतरा कुछ यात्रियों की जेब पर हाथ साफ़ करके चपंत हो गया।
48. **राई का पहाड़ बनाना (जरा-सी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना)** – तुम राई का पहाड़ न बनाते तो यह संकट खड़ी न होती।
49. **लाल-पीला होना (गुस्से में होना)** – आप तो बिना वजह मुझ पर लाल-पीला हो रहे हैं।
50. **लाल-पीला होना (क्रोध करना)** – वार्षिक परीक्षा में पुत्र के फेल होने से पिता जी लाल-पीले होने लगे।
51. **लोहे के चने चबाना (कठिन काम करना)** – आई. ए. एस. परीक्षा में सफलता प्राप्त करना लोहे के चने चबाना है।

52. **थाली का बैगन (अस्थिर व्यक्ति)** – अधिकतर नेता थाली के बैगन होते हैं।

53. **हवाई किले बनाना (कल्पनाएँ करना)** – आजकल नेता हवाई किले बनाते हैं।

54. **हाथ मलना (पछताना)** – अवसर का फायदा उठाने में ही समझदारी है वाद में हाथ मलते रह जाओगे।

55. **सिर चकराना (घबरा जाना)** – सी०बी०एस०ई० बोर्ड का प्रश्न पत्र देखकर छात्रों का सिर चकरा गया।

56. **सिर धुनना (पछताना)** – छात्र अपना खराब परीक्षा परिणाम देखकर अपना सिर धुनने लगा।

57. **सिर उठाना (बगावत करना)** – महँगाई पर अंकुश लगाने में असफल होने पर अपनी ही पार्टी के कई सांसदों ने सिर उठाना शुरू कर दिया।

58. **हाथ मलना (पछताना)** – अभी समय रहते परिश्रम कर लो, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा।

59. **हक्का बक्का रह जाना (हैरान रह जाना)** – फल बेचने वाला अपने खाते में 10 करोड़ रुपए देखकर हक्का-बक्का रह गया।

60. **हवा हो जाना (भाग जाना)** – शेर को देखते ही सारे जानवर हवा हो गए।

CBSE Class 8 Hindi Grammar शब्द-भंडार

वर्गों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं। शब्द और अर्थ का अत्यंत घनिष्ठ संबंध है। एक तरह से शब्द का बोध उसके अर्थ से है। अर्थ भी एक तरह का शब्द ही है। अर्थ के आधार पर शब्दों को निम्नलिखित वर्गों में बाँटा जाता है

- पर्यायवाची या समानार्थी शब्द
- विलोम शब्द
- अनेकार्थी शब्द
- समरूपी भिन्नार्थक शब्द
- एकार्थी शब्द
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
- समान अर्थ प्रतीत होने वाले शब्द।।

1. पर्यायवाची शब्द – वे शब्द जो अर्थ की दृष्टि से समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं। इनका अर्थ आपस में मिलताजुलता है, किंतु ये एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जा सकते हैं। कुछ शब्द और उनके पर्यायवाची शब्द दिए जा रहे हैं

शब्द	**पर्यायवाची**
आकाश	व्योम, गगन, अंबर, आसमान
दास	नौकर, सेवक, चाकर, किंकर
शत्रु	अरि, दुश्मन, रिपु, वैरी, विपक्षी
मित्र	सखा, सहचर, साथी, मीत
मेघ	घन, जलद, जलधर, पयोद
ईश्वर	ईश, परमात्मा, परमेश्वर, भागवान
वृक्ष	पेड़, तरु, द्रुम, विटप
मनुष्य	मानव, आदमी, नर, मनुज
सरस्वती	गिरा, वाणी, शारदा, भारती
	सरिता, तटिनी, तरंगिणी, निर्झरणी
	पाषाण, पाहन, उपल, प्रस्तर,

Chat with us on WhatsApp

नदी	
पत्थर	
शिव	महादेव, कैलाश पति, शंकर, पशुपति, त्रिलोचन
अपमान	अनादर, उपकार, अवज्ञा, अवहेलना, निरादर, तिरस्कार
जल	पानी, नीर, अंबु, वारि
तलवार	कृपाण, खड्ग, शमशीर, अरि
संसार	लोक, विश्व, भवन, जग, जगत
पृथ्वी	धरती, वसुधा, अचला, धरा
अमृत	अमिय, सुधा, पीयूष, सोम।
आग	अग्नि, अनल, पावक, ज्वाला
कोयल	श्यामा, कोकिल, पिक, वसंत, दुतिका
पक्षी	अंबर चर, खग, पखेरू, विग, व्योमचर, चिड़िया
आँख	नेत्र, नयन, चक्षु, लोचन
कोमल	नरम, मुलायम, मृदु, सौम्य
वरदान	इष्ट, कृपा, नियामत, प्रसाद, वर, शुभाशीर्वाद
सूर्य	दिनकर, दिवाकर, आदित्य,